भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 495

बुधवार, 06 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

पंजाब में स्टार्ट-अप

495. श्री सुशील कुमार रिंकू:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्टार्ट-अप इंडिया योजना की विशेषताएं क्या हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान पंजाब में स्टार्ट-अपों के लिए स्वीकृत, आबंटित और उपयोग की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या देश में स्टार्ट-अपों के विकास में मंदी आई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सोम प्रकाश)

(क): सरकार ने नवाचार को बढ़ावा देने और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक सशक्त स्टार्टअप इकोसिस्टम स्थापित करने के उद्देश्य से 16 जनवरी, 2016 को स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की है।

सरकार ने स्टार्टअप्स के लिए एक कार्य योजना की शुरुआत की, जिसमें देश में गतिशील स्टार्टअप इकोसिस्टम तैयार करने के लिए परिकल्पित स्कीमें और प्रोत्साहन शामिल हैं। इस कार्य योजना में 19 कार्य मदें शामिल हैं, जो विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं, जैसे "सरलीकरण एवं सहायता", "निधीयन सहायता और प्रोत्साहन" तथा "उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी और इन्क्यूबेशन"। इस कार्य-योजना के विशिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत स्टार्टअप इकोसिस्टम की पहचान करने, विकास करने और इसे सशक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का कार्यान्वयन किया गया है।

(ख): प्रमुख स्कीमें, नामत: स्टार्टअप्स के लिए निधियों का कोष (एफएफएस) और स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) स्टार्टअप्स को उनके व्यापार चक्र के विभिन्न चरणों में सहायता प्रदान करती हैं ताकि स्टार्टअप्स को उस स्तर तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके जहां वे एंजल निवेशकों या उद्यम पूंजीपतियों से निवेश जुटाने या वाणिज्यिक बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने में सक्षम हों।

इन्क्यूबेटर्स के माध्यम से प्रारंभिक स्तर के स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एसआईएसएफएस की स्थापना की गई है। विशेष रूप से पंजाब के लिए, 34.65 करोड़ रुपए अनुमोदित किए गए हैं और 8 इन्क्यूबेटरों को 15.44 करोड़ रुपए संवितरित किए गए हैं। इस स्कीम के तहत अनुमोदित इन्क्यूबेटरों ने विगत तीन वर्षों अर्थात 2020, 2021, 2022 और चालू वर्ष अर्थात् 2023 के दौरान 31 अक्तूबर, 2023 तक 1.10 करोड़ रुपए की अनुमोदित कुल राशि के लिए पंजाब से 15 मान्यताप्राप्त स्टार्टअप्स को शॉर्टलिस्ट किया है।

एफएफएस को भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में उद्यम पूंजी निवेश को बढ़ावा देने को लिए स्थापित किया गया है। इसे भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) द्वारा संचालित किया जाता है, जो भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय

बोर्ड (सेबी)- पंजीकृत वैकल्पिक निवेश निधियों (एआईएफ) को पूंजी उपलब्ध कराती है, जो आगे स्टार्टअप्स में निवेश करते हैं। विशेष रूप से पंजाब के लिए, एफएफएस के तहत सहायता प्राप्त एआईएफ ने विगत तीन वर्षों अर्थात 2020, 2021, 2022 और चालू वर्ष अर्थात 2023 के दौरान 31 अक्तूबर, 2023 तक स्टार्टअप में 12.43 करोड़ रुपए का निवेश किया है।

(ग) और (घ) : जी, नहीं। स्टार्टअप्स की वृद्धि में कमी नहीं आई है। स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत सरकार के निरंतर प्रयासों से मान्यताप्राप्त स्टार्टअप्स की संख्या वर्ष 2016 में 300 से बढ़कर वर्ष 2023 में, 31 अक्तूबर, 2023 तक, 1,14,902 हो गई है।

*****